भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 2926
गुरुवार, 12 दिसंबर, 2024/21 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

धालभूमगढ़ विमानपत्तन का निर्माण

2926. श्री बिद्युत बरन महतोः

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) धालभूमगढ़ विमानपत्तन के निर्माण और विकास की स्थिति क्या है और इसके कब तक पूरा होने तथा प्रचालनशील होने की संभावना है;

(ख) इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत कितनी है और उक्त अवसंरचना को पूरा करने के लिए निधि तथा संसाधनों का समय पर आवंटन सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं; और

(ग) धालभूमगढ़ विमानपत्तन के पूरा होने से जमशेदपुर और आस-पास के क्षेत्रों तक विमान संपर्क में किस प्रकार सुधार होगा और झारखंड में स्थानीय समुदायों के लिए अपेक्षित आर्थिक और विकास संबंधी लाभों का ब्यौरा क्या है?

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग): धालभूमगढ़ हवाईअड्डे के विकास के लिए झारखंड राज्य सरकार द्वारा अभी भी अपेक्षित भूमि उपलब्ध करायी जानी है, जिसके लिए वन और वन्यजीव क्लियरेंस अपेक्षित होगा। राष्ट्रीय नागर विमानन नीति, 2016 के अनुसार, हवाईअड्डे के विकास के लिए निःशुल्क और सभी बाधाओं से मुक्त भूमि उपलब्ध कराना संबंधित राज्य सरकार की जिम्मेदारी है।

किसी हवाईअड्डे के प्रचालित होने से उस क्षेत्र के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गंतव्यों से जुड़ने पर हवाई संपर्क में उल्लेखनीय वृद्धि होती है जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलता है और आपातकालीन सेवाओं में सहायता मिलती है। यह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर का सृजन करके और स्थानीय उद्योगों को लाभ पहुंचाकर आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है। स्थानीय समुदायों को स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक बेहतर पहुंच, पर्यटन राजस्व में वृद्धि और सांस्कृतिक आदान-प्रदान से लाभ मिलता है, जिससे सामाजिक और आर्थिक उन्नति को बढ़ावा मिलता है।

******